

- 1- मंगलोबाई पुत्री रामलाल पत्नी भावती प्रसाद जाधव, निवासी
हळी गोरमी तहसील मेहो जिला भिड
- 2- भूरीबाई पुत्री रामलाल पत्नी बच्चू निोग्राम पीपरी तहसील
अंठर जिला भिड
- 3- जैन श्री पुत्री छविराम पत्नी अनाोक, जाधव निवासीग्राम
गोल मार्केट, लक्ष्मण पंडितजी की गली पगरना मेहगाव
जिला भिड
- 4- मुक्ता पुत्र छविराम, निवासी ग्राम गिजुरी सिमर तहसील
मेहगाव जिला भिड -- अपीलान्त
विद्
- 1- कलान सिंह पुत्र हरविलास सिंह,
2- दांताराम वधेल पुत्र, निवासी गण-ग्राम गिजुरी सिमर
मेहगाव, जिला भिड -- रेस्पॉडेन्स

- 7 FEB 2006

श्री 2007... 24... 2002
द्वारा आज दि 7... 2... 06...
राजस्व मण्डल म. प्र. रवी

अवस्य सचिव

अपीलान्ट की ओर से अपील अन्तर्गत धारा 44 म. प्र. भू राजस्व
संहिता 1959 के तहत विरुद्ध न्यायालय आयुक्त चम्बल संभाग मुरैना
के प्रकरण क्रमांक 53/02-03/विधि में आदेश दिनांक 17.5.05 को
आवेदन पत्र धारा 35 & 38 निरस्त किये जाने से दुखित होकर।

श्रीमान जी,

अपीलान्ट की ओर से अपील निम्न तथ्य एवं आधारों पर

प्रस्तुत है :-

संक्षिप्त तथ्य :-

=====

१। यह कि, प्रकरण में तथ्य इस प्रकार है कि आवेदकगण की
ओर से अधीनस्थ न्यायालय में एक पुनरीक्षा प्रकरण क्रमांक
47/98-99 निगरानी विचाराधीन थी जो आवेदकगण
की अनुपस्थिति में दिनांक 26.6.2002 को अदम
पै रवी में समाप्त हो चुका है। जिसे पुनः नम्बर पर लेने
के लिये आवेदन - पत्र धारा 35 & 38 मध्य प्रदेश भू - राजस्व
संहिता 1959 दिनांक 18.9.2002 को प्रस्तुत किया गया।
जो 84 दिन फांसा हुआ किया गया।

Handwritten signature and initials

Handwritten signature

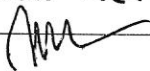
प्रकरण क्रमांक 212-दो/2006 अपील

जिला भिण्ड

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही एवं विवरण	पक्षकारों एवं अभि.के हस्ता.
15-2-16	<p>आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 35/2002-03 विविध में पारित आदेश दिनांक 17-5-2005 के विरुद्ध यह अपील म0प्र0भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 44 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ आवेदकगण के अभिभाषक के तर्क सुने। अनावेदकगण सूचना उपरांत अनुपस्थित रहने से एकपक्षीय है। अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया।</p> <p>3/ अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से स्थिति यह है कि आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना के न्यायालय में प्रचलित प्रकरण क्रमांक 47/98-99 निगरानी आवेदकगण के अभिभाषक के पेशी 26-6-2002 पर अनुपस्थित रहने से अदम पैरबी में निरस्त किया गया। आवेदकगण ने संहिता की धारा 35(3) का आवेदन देकर प्रकरण पुर्नजीवित किये जाने की मांग की जिसे समाधानकारक न पाकर आयुक्त द्वारा प्रकरण क्रमांक 35/2002-03 विविध में पारित आदेश दिनांक 17-5-2005 से निरस्त कर दिया है। पुर्नस्थापन आवेदन अमान्य करने का आधार यह है कि आवेदकगण द्वारा पुर्नस्थापन आवेदन में नियुक्त अभिभाषक की माँ के बीमार</p>	

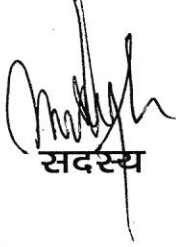



होने में व्यस्त हो जाना एवं वाद में स्वयं अभिभाषक का बीमार होना बताया है। आयुक्त द्वारा विवेचित किया है कि धारा 35(3) के आवेदन में आवेदकगण ने आदेश दिनांक 26-6-2002 की जानकारी पैरा-2 में दिनांक 17-9-02 को होना, अवधि विधान की धारा-5 के आवेदन में 17-8-02 को होना तथा दूसरे आवेदन में जानकारी 17-9-2004 को होना अंकित किया है जो अतिविलम्ब से होकर सदभावना पर आधारित नहीं है। जब आवेदकगण पुर्नस्थापन आवेदन 18-9-2002 को प्रस्तुत कर रहे हैं तब आदेश की जानकारी 17-9-2004 को होने तथ्य टंकण त्रुटि है इसी प्रकार एक आवेदन में जानकारी 17-9-02 होना एवं अवधि विधान की धारा-5 के आवेदन में 17-8-02 को होना भी टंकण त्रुटि है क्योंकि अवधि विधान की धारा-5 के आवेदन के साथ दिया गया शपथ पत्र दिनांक 18-9-2002 का है स्पष्ट है कि जानकारी का दिनांक 17-9-2002 है परन्तु आयुक्त द्वारा सामान्य स्तर की कमियों के आधार पर आवेदकगण का पुर्नस्थापन आवेदन निरस्त करने में त्रुटि की है। आदेश दिनांक 26-6-02 के पुर्नस्थापन हेतु आवेदन 18-9-02 को प्रस्तुत हुआ है अर्थात् 82 दिन वाद प्रस्तुत हुआ है एवं निर्धारित समय-सीमा 30 दिवस कम करने पर 52 दिवस का विलम्ब है जो टंकणत्रुटि पर आधारित होने से आवेदकगण को न्यायदान से बंचित करना उचित नहीं माना जा सकता।



प्रकरण क्रमांक 212-दो/2006 अपील

जिला भिण्ड

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही एवं विवरण	पक्षकारों एवं अभि.के हस्ता.
	<p>4/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपील स्वीकार की जाकर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 35/2002-03 विविध में पारित आदेश दिनांक 17-5-2005 निरस्त किया जाकर निर्देश दिये जाते हैं कि वह प्रकरण क्रमांक 47/98-99 निगरानी पुर्नजीवित कर उभय पक्ष को सुनवाई का समुचित अवसर देकर प्रकरण का निराकरण गुणदोष के आधार पर करें।</p> <p style="text-align: right;">  सदस्य </p>	

Bu